संवाद

अंक 05 : जनवरी से मार्च 2024

त्रैमासिक पत्र

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल, राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

सिनर्जी 2024

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल में खेल और सांस्कृतिक इंटर एसपीए का तीन दिवसीय पर्व सिनर्जी 2024 का सफलता पूर्वक आयोजन हुआ।

संस्थान का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, सिनर्जी, ने छात्रों का स्वागत किया और उन्हें अपने छिपे हुए कौशल को व्यक्त करने और रचनात्मक सीख के नए क्षेत्रों का पता लगाने के लिए एक मंच प्रदान किया। संपूर्ण एसपीएबी छात्र निकाय, साथ ही संकाय और कर्मचारी, 16 मार्च, 2024 को कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए, जिसमें कार्य{म के मुख्य अतिथि श्री राजीव मिश्रा जी सादर आमंत्रित किये गये थे। इसके पश्चात परिसर के चारों ओर विभिन्न स्थानों पर एकल गायन, माइम एक्ट और मोनोएक्ट और समूह नृत्य प्रतियोगिता सहित कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। जबकि दूसरे दिन, सुबह के शुरुआती समय में परिसर में आयोजित फोटो वॉक, दीवार पेंटिंग, लघु मॉडलिंग, वाद–विवाद प्रतियोगिताओं और बैंड में कॉलेजों द्वारा किए गए अद्भुत प्रदर्शन जैसी गतिविधियों ने सभी को मनोरंजित किया। तीसरे दिन एकल और युगल नृत्य प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की कुछ सुंदर कार्यक्रम, स्टोरीबोर्डिंग में शानदार कल्पना और इंटरस्टेलर फैशन वॉक में फैशन की उत्कृष्ट समझ देखने को मिली।

सांस्कृतिक गतिविधियों के अलावा, सिनर्जी ने शतरंज, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट और कबड्डी सहित खेलों की मेजबानी की। कला, रंगमंच, नाटक, मिट्टी के बर्तन बनाने और कविता, रचनात्मक लेखन और भाषण की प्रतिभागिताओं की सहायता से कार्य{म में कई कार्यशालाएँ भी शामिल की गईं। उत्सव को सफल बनाने के लिए नासा (वास्तुकला के छात्रों का राष्ट्रीय संघ) की टीम ने इंटरैक्टिव आइसब्रेकर सत्रों के अलावा जनता के लाभ के लिए छात्रों के शैक्षणिक कार्यों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया है।

जिसमें किसी विषय के बारे में जानकारी देने के लिए एक खुला माइक और एक प्रश्नोत्तरी शामिल है। प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों के अलावा टीम ने हर दिन रोमांचक स्टेज शो की योजना बनाई, जिसमें बहुत अधिक ऊर्जा और सूफी बैंड और अपनी धुनों से मंच पर चकाचौंध करने वाले जीवंत कलाकारों के साथ डीजे नाइट्स शामिल थीं।

एसपीए भोपाल में सार्वभौमिक मानव मूल्य पर संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन

संस्थान परिसर में दिनांक 4 जनवरी से 6 जनवरी 2024 के मध्य तीन दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का विषय सार्वभौमिक मानव मूल्य था। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष भरत शरण सिंह थे। विशिष्ट अतिथि एन.आई.टी.टी.टी.आर. भोपाल के निदेशक प्रो. चंद्र चारू त्रिपाठी थे। इस अवसर पर भरत शरण ने वैश्विक मानव मूल्य के संदर्भ में भारतीय सनातन परंपरा और भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए इस विषय को सभी शिक्षकों के मध्य पहुंचाने पर बल दिया।

अर्बन इनोवेशन कान्फ्रेंस का आयोजन

संस्थान परिसर में दिनांक 1 मार्च से तीन दिवसीय सम्मेलन अर्बन इनोवेशन कान्फ्रेंस का आयोजन किया गया। उक्त सम्मेलन में संस्थान के संकाय सदस्यों व छात्रों के साथ देश भर से आए प्रतिनिधियों द्वारा भारी संख्या में सदस्यता ली गई।

उक्त कान्फ्रेंस के विषय : स्मार्ट मोबिलिटी, नवाचार के लिए डेटा, शहर का स्वचालन, रेज्यिलेंट सपोर्ट, नवाचारों को मुख्यधारा में लाना, नागरिक समाज से नवाचार, आदि थे। उक्त आयोजन में एनआईयूए, डब्ल्यूआरआई, ईएंडवाई और जीआईजेड लिविंग लैब जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा व्यक्तिगत रूप से या ऑनलाइन सत्रों के माध्यम से प्रस्तुति दी गई।

गणतंत्र दिवस का अयोजन

संस्थान परिसर में गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रो. अजय खरे, संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) ने ध्वजा रोहण किया। व संस्थान के सुरक्षा बल ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। संस्थान के छात्रों एवं संस्थान में निवासरत कर्मचारीगण के बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुती दी। जिनमें गीत, भाषण, नृत्य, प्रेटिंग आर्ट परफारमेंस आदि शामिल थे।

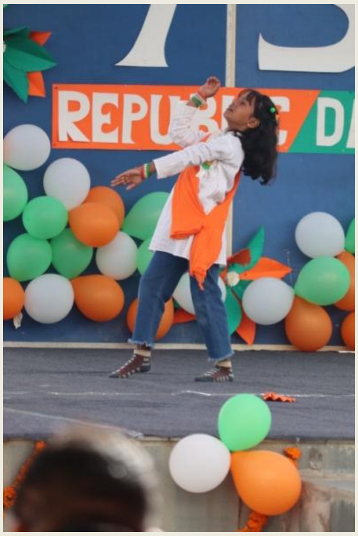

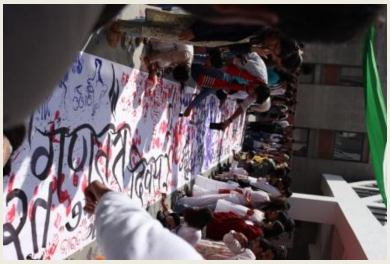

एसपीए भोपाल में ग्राम पंचायत स्थानिक विकास योजना पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

ग्राम पंचायत स्थानिक विकास योजना पर दो दिवसीय क्रॉस लर्निंग इंटरएक्टिव राष्ट्रीय कार्यशाला एसपीए भोपाल में सफलतापूर्वक संपन्न हुई, जो जमीनी स्तर पर स्थानिक योजना पहल को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, भोपाल के सहयोग से पंचायती राज मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में देश भर के विभिन्न राज्यों से ग्राम पंचायतों, योजना संस्थानों और सरकारी अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। कार्यशाला को सचिव, पंचायती राज मंत्रालय श्री विवेक भारद्वाज अपर मुख्य सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मध्य प्रदेश सरकार, श्री मलय श्रीवास्तव पंचायती राज मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव, डॉ. चंद्र शेखर कुमार संयुक्त सचिव, पंचायती राज मंत्रालय, श्री आलोक प्रेम नागर और निदेशक, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, भोपाल प्रोफेसर कैलासा राव एम. सम्मिलित थे।

प्रेस मीडिया

एसपीए का तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव

भोपाल, दिल्ली व विजयवाड़ा के छात्रों ने दिखाया शिल्प कौशल

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

भोपाल. स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए), भोपाल का तीन दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम सिनर्जी-2024 परिसर में आयोजित किया गया। इसके समापन कार्यक्रम का उद्घाटन मिस्टिक 7, भोपाल के संस्थापक और मुख्य रचनात्मक अधिकारी राजीव मिश्रा ने किया। सिनर्जी'24 का विषय 'अंतरिक्ष के रहस्यों के साथ पॉप संस्कृति का सम्मिश्रण' था, जिसका समापन तीनों एसपीए (भोपाल, दिल्ली और विजयवाड़ा) के छात्रों का क्रिकेट से लेकर शतरंज तक विभिन्न आयोजनों में अपने कौशल, रचनात्मकता, शिल्प कौशल, माइम से लेकर मोनोएक्ट, पॉप संगीत से लेकर मिट्टी के बर्तन तक के प्रदर्शन से हुआ। तीनों एसपीए के प्रतिभागियों के बीच तालमेल ने प्रतियोगिताओं में एक अनूठा सौहार्दपूर्ण और स्वस्थ प्रतिद्वंद्विता को बढ़ावा दिया। भाग लेने वाले छात्रों के लिए, सिनर्जी'24 सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं था, यह एक अविस्मरणीय यात्रा थी, जिसने जुनून जगाया, रचनात्मकता को बढ़ावा दिया और संस्थागत सीमाओं से परे जुड़ाव को बढ़ावा दिया। समापन सत्र में अतिथि भावना चौहान ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की और छात्राओं द्वारा सभी कार्यक्रमों में भाग लेने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

एसपीए में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू

मानव मूल्य व्यक्ति, परिवार, समाज के लिए जरूरी : चारन

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

भौंरी स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) कैंपस में गुरुवार को सार्वभौमिक मानव मूल्य पर आधारित तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की शुरुआत हुई। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष भरत शरण सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि एनआईटीटीटीआर के निदेशक प्रो. चंद्र चारु त्रिपाठी रहे। इस मौके पर भरत शरण ने वैश्विक मानव मूल्य के संदर्भ में भारतीय सनातन परंपरा और भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए इस विषय को सभी शिक्षकों के मध्य पहुंचाने पर बल दिया।

संस्थान के अध्यक्ष डॉ. हाकम दान चारन ने बताया कि मानव मूल्य एक व्यक्ति, एक परिवार और पूरे समाज के लिए आवश्यक है। कार्यशाला में मानव जीवन के सभी पहलुओं यानी सुविधा, सुख और समझ पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्नोलॉजी संस्थान से आए पवनेन्द्र कुमार ने मानव मूल्यों पर आधारित प्रस्तुति दी।

#TempleMatters जनजातीय संग्रहालय में 'भारत में मंदिर के मायने' पर लोकरुचि संवाद

मंदिर और भक्ति के माध्यम से ही हम ज्ञान की विरासत को लेकर बढ़ रहे हैं: प्रो. त्रिवेदी

मंदिर हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़

पर्यावरण की दृष्टि से मंदिरों का विशेष महत्व

मंदिरों से कला, साहित्य, संगीत विकसित हुए

एसपीए में सिनर्जी... म्यूजिक, गेम्स और पॉटरी मेकिंग

सिटी रिपोर्टर| स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) भोपाल में तीन दिनी एनुअल फेस्ट सिनर्जी-2024 आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन चीफ क्रिएटिव ऑफिसर राजीव मिश्रा ने किया। इस बार सिनर्जी-24 की थीम 'अंतरिक्ष के रहस्यों के साथ पॉप संस्कृति का मेलजोल' है। ऐसे में एसपीए भोपाल, दिल्ली और विजयवाड़ा कैंपस के स्टूडेंट्स के बीच स्किल बेस्ड, क्रिएटिविटी बेस्ड, क्राफ्टमैनशिप, क्रिकेट, चेस, माइम, मोनो एक्ट, पॉप म्यूजिकल से लेकर पॉटरी मेकिंग जैसे कॉम्पिटिशन रखे गए।

Small Town Designed With Big Ideas On Spiritual Tourism

Emphasis on traditional Indian designs, a 'spiritual' forest, EV buses, a Tower of Joy, a *haat*...temple inauguration has put Ayodhya on the pilgrimage map

*Architect and urban designer **Diksha Kukreja**, whose firm prepared vision documents for Ayodhya, Bharat Mandapam, Yashobhoomi and India Pavilion at Dubai Expo, tells **Dipak Kumar Dash** that civilisational principles and practices are being increasingly applied in urban planning and architecture:*

Q&A

● What was Ayodhya master plan's theme?

Focus was to make Ayodhya a globally renowned spiritual and tourism destination. Tourist to resident ratio will be extraordinarily high after inauguration of the temple. Spatial and experiential aspects were in focus, as was common man's needs, public spaces and city's liveability aspects.

Consortium of Lea Associates, L&T IEL and CP Kukreja Architects took feedback from leaders, state officials, sants and Ram Janmbhoomi trust. Plan has provisions for state houses, country houses, dharamshalas, mutts and akharas. We identified species of trees to be planted across the city to reflect Valmiki Ramayan era.

Ayodhya is envisaged as a temple city, plan's prepared after studying best examples from national and international pilgrim destinations such as Vatican City, Jerusalem, Angkor Wat and Pashupatinath. Emphasis was on walkways, EV buses from entry gates to heart of city.

● What will make Ayodhya a tourist and pilgrim hub?

Providing tourist infra for all economic strata is a key aspect. There will be a yearlong calendar of events, dovetailed with national tourism circuits like Ramayan circuit, which is over 6,000 km long and goes all the way to Rameshwaram in Tamil Nadu.

Homestays, meditation gardens, revamped banks of river Saryu, street markets, an Ayodhya haat, museums, parikramas are part of the plan.

We envisaged a Tower of Joy for a panoramic view, a dedicated zone in a "spiritual" forest for meditation, a theme park with 108 *divya darshan*, conferences, business tourism and spiritual centres.

Ayodhya will be an epicentre for religious and spiritual tourism and will connect tourists to Awadh and Buddhist circuits. Day trips to Gorakhpur, Prayagraj, Varanasi and Lucknow will be in place.

● What is GOI's focus on projects you're involved in?

Government's thrust is on creating world-class infra that represents India's cultural ethos and diversity and showcases a modernity that embraces tenets of sustainable design and planning. Projects strictly adhere to budgets and timelines.

● How much emphasis is on Indian culture and tradition in urban planning today?

I have always been a strong proponent of embracing Indian culture in design. I'm happy to see this phenomenon being mainstreamed. Today we have moved beyond the notion that only western models of planning should be followed.

Thrust today is to explore traditional Indian practices and adapt them to contemporary needs. Our country with its civilisational heritage incorporated town planning principles in Indus Valley also. Principles of *vastushastra* have once again carved out a distinctive design identity.

● You led G20 initiative on Liveable Cities for the Future. Our cities are in bad shape.

Undoubtedly, a lot of work is required to fix our cities to make them more liveable. As more and more of the population gets urbanised, we need to urgently adopt sustainable and smart planning approaches. Cities need to create vision documents, which incorporate specific needs, challenges and opportunities of a given city. Goals in the document must outline short, medium and long-term strategies. Cornerstone of this must be based on social and economic equality. Finally, aspects of place-making and happiness need to be incorporated if we want our cities to be liveable and memorable.

एसपीए में भोज वेटलैंड और भोपाल सिटी पर बात... एक्सपर्ट्स ने दिए अपने-अपने सुझाव

वेटलैंड के लिए बड़े तालाब से जुड़े नदी-नाले सुरक्षित करें

कार्यक्रम में मौजूद पार्टिसिपेंट्स

बड़े तालाब के आसपास सेटलमेंट्स में आए बदलाव को दिखाया

बफर एरिया से बाहर करें खेती

कैचमेंट एरिया के पास बसे ग्रामीणों को भी जागरूक करें